had given suitable directions in this matter. It is, therefore, requested that the Central Ministry of Environment should look into the matter and take urgent steps to help the people of Indore and Ankleshwar.

Demand for renaming of Gomo station in Jharkhand in memory of Netaji Subhas Chandra Bose

DR. BARUN M UKHERJEE (West Bengal): Thank you, Sir. There has been a persistent demand from the people of India to rename Gomo railway station, presently in Jharkhand, in memory of great patriotic son of India, Netaji Subhas Chandra Bose. But, unfortunately, neither the Centre nor the Railway Minister has so far responded to it. As it may be recalled, Gomo station was the last exit point for Netaji Subhas who, deceiving British surveillance, left India, in disguise of Jiauddin, after secretly boarding alone the then Frontier Mail at Gomo on the night of 17th January, 1941 on his way to Kabul via Peshawar for his great revolutionary mission to continue his freedom struggle from outside forming the India National Army and the provisional free India Government abroad. Since 1941, Gomo station continues to be a mute witness to this historic 'great escape' of Netaji Subhas Chandra Bose. It is, therefor, proposed to rename 'Gomo Jn.[1] As 'Netaji Subhas Gomo Jn.' to perpetuate the memory of Netaji. Our future generations will thus be reminded of this historic event as and when they pass through the station and the people of Jharkhand will thus be privileged to pay their respectful homage to the great patriotic son'of our country.

I would appeal to the Railway Minister and the Union Government to accept the people's demand and rename Gomo Station in memory of Netaji Subhas Chandra Bose with effect from his forthcoming birthday on 23rd January, 2008.

DR. GYAN PRAKASH PILANIA (Rajasthan): Sir, I associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRI RUDRA NARAYAN PANY (Orissa): Sir, I associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

श्री अजय मारू (झारखंड)**:** मैं अपने आपको इस विशेष उल्लेख के साथ सम्बद्व करता हूं।

श्री एस0एस0 अहलुवालिया (झारखंड)**:** उपसभापति जी, वरूण बाबू ने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के नाम पर गोमो स्टेशन का नाम रखने के लिए कहा है, मैं उससे अपने आपको सम्बद्व करते

हुए यह कहना चाहता हूं कि ये वह नेताजी हैं जिन्होंने कहा था कि "तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा"। आज हम आजादी की लड़ाई का डेढ़ सौवां साल मनाने ज रहे हैं।

श्री उपसभापति : आप केवल एसोसिएट कीजिए।

श्री एस0एस0 अहलुवालिया: ऐसे समय पर यह appropriate होगा कि इस गोमो जंक्शन का नाम नेताजी के नाम पर रखा जाए।

MR DEPUTY CHAIRMAN. Okay, the entire House associates itself with it.

Demand for Higher Minimum Support Price to Farmers

सुश्री अनुसुइया उइके (मध्य प्रदेश): उपसभापति महोदय, मैं इस विशेष उल्लेख के माध्यम से केन्द्र सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहती हूं कि भारत सरकार द्वारा किसानों की उपज के विपणन के लिए सही नीति नहीं बनाने के कारण उन्हें अपनी कृषि उपज का सही लाभकारी मूल्य नहीं मिल रहा है।

किसी भी उपज की बाजार में आवक के समय उसका न्यूनतम भाव रहता है, जिससे किसानों को उचित मूल्य नहीं मिल पाता है। इस समय गेंहू के निर्यात पर प्रतिबन्ध लगाया गया है, जबकि ऐसे समय में गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध हटाया जाना चाहिए।

साथ ही खाद्य तेलों के आयात पर जो आयात शुल्क की कटौती की गई है, उसे भी समाप्त किया जाना चाहिए। तिलहन उत्पादों की आवक के समय (नवम्बर, दिसम्बर, अप्रैल, मई) में खाद्य तेलों के आयात पर प्रतिबन्ध हो, ताकि किसानों को लाभकारी मूल्य प्राप्त हो सके।

इसी प्रकार से शक्कर एवं गुड़ के भाव उत्पादन के समय दिसम्बर से मार्च में न्यूनतम होते है। इस समय केन्द्रीय सुरक्षित भण्डारों से शक्कर का कोटा जारी नहीं किया जाना चाहिए।

अतएव मैं केन्द्र सरकार से अनुरोध करती हूं कि किसानों को उनकी कृषि उपज का लाभकारी उचित मूल्य तथा खेतिहर मजदूरों को उनकी मजदूरी दिलाने के लिए बेहतर विपणन व्यवस्था शीघ्र बनाई जाए, ताकि देश के किसानों को उचित लाभ मिल सके।

श्री कांजी भाई पटेल (गुजरात): महोदय, मैं अपने आपको इस विशेष उल्लेख के साथ सम्बद्व करता हूं।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shri M.V. Mysura Reddy; not here.